Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015-2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 9-2016] CHANDIGARH, TUESDAY, MARCH 1, 2016 (PHALGUNA 11, 1937 SAKA)

General Review

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2007–08 की समीक्षा

दिनांक 10 फरवरी, 2016

क्रमांक 525– कृषि–II(1)–2016/1760.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2007–08 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 50 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का अनुमानित 6.79 प्रतिशत भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2006–07 व 2007–08 के दौरान क्रमशः 147.63 लाख टन व 152.94 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 5.31 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोग

कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 180.17 प्रतिशत व 55.00 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु

खरीफ, 2007

फसलों की बिजाई के समय मौसम ठीक रहा। वर्ष 2006 के 18.20 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में 18.66 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2006 के 44.94 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 48.84 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

रबी 2007–08

रबी 2007–08 के दौरान गेंहू, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 24.61 लाख हैक्टेयर 1.07 लाख हैक्टेयर, 0.40 लाख हैक्टेयर, 4.97 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2006–07 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 23.77, 1.07, 0.38, 5.98 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में बढ़ोतरी के फलस्वरुप इसका उत्पादन वर्ष 2006–07 के 100.59 लाख टन की तुलना में बढ़कर 102.32 लाख टन हो गया। रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान उत्पादन 152.94 लाख टन रहा जोकि पिछले वर्ष 147.63 लाख टन था।

चण्डीगढ़:
दिनांक 11 जनवरी, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Department of Agriculture, Haryana for the year 2007-08

The 10th February, 2016

No. 525-Agri-II(1)-2016/1760.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 50 lakh tones food grains to the Central pool during 2007-08. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.79 of the total production in the country. The food grain production achieved during 2006-07 and 2007-08 was 147.63 tones and 152.94 lakh tones respectively. Thus there was an increase by 5.31 lakh tones in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of Agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 180.17% and 55 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2007

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various kharif crops have increased as compared to previous years. As against the area of 18.20 lakh ha. covered during kharif 2006, an area of 18.60 lakh ha. was actually covered under different kharif crops**.**

A total of 44.94 lakh tones of food grain production was achieved during kharif 2006 as compared to 48.84 lakh tones achieved during 2007.

Rabi 2007-08

The coverage of area under wheat gram, barley and oilseeds remained 24.61 lakh ha, 1.07 lakh ha, 0.40 lakh ha and 4.97 lakh ha. during 2007-08 as compared to 23.77 lakh ha., 1.07 lakh ha., 0.38 lakh ha., and 5.98 lakh ha. respectively covered during Rabi 2005-06. The average yield of wheat has increased and thereby the production increased to 102.32 lakh tones during the season as compared to production of 100.59 lakh tones during Rabi 2006-07. The food grains production during 2007-08 remained 147.65 lakh tones as compared to 130.06 lakh tones during 2005-06.

Chandigarh:
The 11th January, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government
Haryana, Agriculture Department.

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2008–09 की समीक्षा

दिनांक 10 फरवरी, 2016

क्रमांक 526– कृषि–II(1)–2016/1762.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2008–09 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 66 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का 6.66 प्रतिशत भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2007–08 व 2008–09 के दौरान क्रमशः 152.94 लाख टन व 161.78 लाख टन खाद्यान उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 8.84 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोग

कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 181.32 प्रतिशत व 55.00 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु

खरीफ, 2008

फसलों की बिजाई के समय मौसम ठीक रहा। वर्ष 2008 के 18.66 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में 19.77 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2007–08 के 44.78 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 46.42 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

रबी 2008–09

रबी 2008–09 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 24.62 लाख हैक्टेयर 1.24 लाख हैक्टेयर, 0.53 लाख हैक्टेयर, 5.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2006–07 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 24.61, 1.07, 0.40, 4.97 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में बढ़ोतरी के फलस्वरुप इसका उत्पादन वर्ष 2007–08 के 102.32 लाख टन की तुलना में बढ़कर 132.60 लाख टन हो गया । रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन 161.78 लाख टन रहा जोकि पिछले वर्ष 152.06 लाख टन था।

चण्डीगढ़:
दिनांक 11 जनवरी, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Department of Agriculture, Haryana for the year 2008-09

The 10th February, 2016

No. 526-Agri-II(1)-2016/1762.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 66 lakh tones (Tentative) food grains to the Central pool during 2008-09. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.66 of the total production in the country. The food grain production achieved during 2007-08 and 2008-09 was 152.94 tones and 161.78 lakh tones respectively. Thus there was an increase by 8.84 lakh tones in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of Agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 181.32% and 55 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2008

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various kharif crops have decreased as compared to previous years. As against the area of 18.66 lakh ha. covered during kharif 2007, an area of 19.77 lakh ha. was actually covered under different kharif crops.

A total of 48.84 lakh tones of food grain production was achieved during 2007-08 as compared to 44.99 lakh tones achieved during 2008-09.

Rabi 2008-2009

The coverage of area under wheat gram, barley and oilseeds remained 24.62 lakh ha., 1.24 lakh ha., 0.53 lakh ha. and 5.14 lakh ha. during 2008-09 as compared to 24.61 lakh ha., 1.07 lakh ha., 0.40 lakh ha. and 4.97 lakh ha. respectively covered during Rabi 2007-08. The average yield of wheat has increased and thereby the production increased to 113.60 lakh tones during the season as compared to production of 102.32 lakh tones during Rabi 2007-08. The food grains production during 2008-09 remained 161.78 lakh tones as compared to 152.06 lakh tones during 2007-08

Chandigarh:
The 11th January, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government
Haryana, Agriculture Department.

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2009–10 की समीक्षा

दिनांक 10 फरवरी, 2016

क्रमांक 524– कृषि–II(1)–2016/1764.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2009–10 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 50 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का 7.04 प्रतिशत भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2008–09 व 2009–10 के दौरान क्रमशः 161.78 लाख टन व 153.46 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 8.32 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोग

कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 178.90 प्रतिशत व 55.00 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु

खरीफ, 2009

फसलों की बिजाई के समय मौसम ठीक रहा। वर्ष 2009 के 19.77 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में 19.21 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2009 के 44.99 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 46.54 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

रबी 2009–10

रबी 2009–10 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 24.88 लाख हैक्टेयर, 0.84 लाख हैक्टेयर, 0.42 लाख हैक्टेयर, 5.11 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2008–09 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 24.62, 1.24, 0.53, 5.14 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में बढ़ोतरी के फलस्वरुप इसका उत्पादन वर्ष 2008–09 के 113.60 लाख टन की तुलना में घटकर 104.88 लाख टन हो गया। रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन 153.46 लाख टन रहा जोकि पिछले वर्ष 161.78 लाख टन था।

चण्डीगढः
दिनांक 11 जनवरी, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Department of Agriculture, Haryana for the year 2009-10

The 10th February, 2016

No. 524-Agri-II(1)-2016/1764.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 50 lakh tones (Tentative) food grains to the Central pool during 2007-08. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 7.04 of the total production in the country. The food grain production achieved during 2008-09 and 2009-10 was 161.78 Lakh tones and 153.46 lakh tones respectively. Thus there was an increase by 8.32 lakh tones in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of Agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 178.90% and 55 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2009

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various kharif crops have increased as compared to previous years. As against the area of 19.77 lakh ha. covered during kharif 2008, an area of 19.21 lakh ha. was actually covered under different kharif crops.

A total of 44.99 lakh tones of food grain production was achieved during 2008-09 as compared to 46.54 lakh tones achieved during 2009-10.

Rabi 2009-10

The coverage of area under wheat, gram, barley and oilseeds remained 24.88 lakh ha.,0.84 lakh ha., 0.42 lakh ha. and 5.11 lakh ha. during 2009-10 as compared to 24.62 lakh ha., 1.42 lakh ha., 0.53 lakh ha. and 5.14 lakh ha. respectively covered during Rabi 2008-09. The average yield of wheat has decreased and thereby the production decreased to 104.88 lakh tones during the season as compared to production of 113.60 lakh tones during Rabi 2008-09. The food grains production during 2009-10 remained 153.46 lakh tones as compared to 161.78 lakh tones during 2008-09.

Chandigarh:
The 11th January, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government
Haryana, Agriculture Department.

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2010–11 की समीक्षा

दिनांक 10 फरवरी, 2016

क्रमांक 528– कृषि–II(1)–2016/1766.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2010–11 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 80.02 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का 6.79 प्रतिशत भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2009–10 व 2010–11 के दौरान क्रमशः 153.46 लाख टन व 165.68 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 12.22 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोग

कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 184.91 प्रतिशत व 55.00 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु

खरीफ, 2010

फसलों की बिजाई के समय मौसम ठीक रहा। वर्ष 2009 के 19.21 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में 20.42 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2010 के 46.54 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 47.44 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

रबी 2010–11

रबी 2010–11 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 25.04 लाख हैक्टेयर, 1.12 लाख हैक्टेयर, 0.37 लाख हैक्टेयर, 5.10 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2009–10 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 24.88, 0.84, 0.42, 5.11 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में बढ़ोतरी के फलस्वरुप इसका उत्पादन वर्ष 2009–10 के 104.88 लाख टन की तुलना में बढ़कर 115.78 लाख टन हो गया। रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन 165.68 लाख टन रहा जोकि पिछले वर्ष 153.46 लाख टन था।

चण्डीगढ़:
दिनांक 11 जनवरी, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Department of Agriculture, Haryana for the year 2010-11

The 10th February, 2016

No. 528-Agri-II(1)-2016/1766.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 80.02 lakh tones food grains to the Central pool during 2010-11. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.79% of the total production in the country. The food grain production achieved during 2009-10 and 2010-11 was 153.46 tones and 165.68 lakh tones respectively. Thus there was an increase by 12.22 lakh tone in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of Agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 184.91% and 55 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2010

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various kharif crops have decreased as compared to previous years. As against the area of 19.21 lakh ha. covered during kharif 2009, an area of 20.42 lakh ha. was actually covered under different kharif crops.

A total of 46.54 lakh tones of food grain production was achieved during 2009-10 as compared to 47.44 lakh tones achieved during 2010-11.

Rabi 2010-11

The coverage of area under wheat, gram, barley and oilseeds remained 25.04 lakh ha.,1.12 lakh ha., 0.37 lakh ha. and 5.10 lakh ha. during 2010-11 as compared to 24.88 lakh ha., 0.84 lakh ha., 0.42 lakh ha. and 5.11 lakh ha. respectively covered during Rabi 2009-10. The average yield of wheat has increased and thereby the production increased to 115.78 lakh tones during the season as compared to production of 104.88 lakh tones during Rabi 2009-10. The food grains production during 2010-11 remained 165.68 lakh tones as compared to 153.46 lakh tones during 2009-10.

Chandigarh:
The 11th January, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government
Haryana, Agriculture Department.

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2011–12 की समीक्षा

दिनांक 10 फरवरी, 2016

क्रमांक 523– कृषि–II(1)–2016/1768.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2011–12 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 88 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का 6.93 प्रतिशत भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2010–11 व 2011–12 के दौरान क्रमशः 165.68 लाख टन व 183.90 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 18.22 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोग

कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही मापदण्ड है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 184.71 प्रतिशत व 56.00 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु

खरीफ, 2011

फसलों की बिजाई के समय मौसम अनुकूल रहा। वर्ष 2010 के 20.42 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में 19.25 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2011 के 47.44 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 50.24 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

रबी 2011–12

रबी 2011–12 के दौरान गेंहू, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 25.31 लाख हैक्टेयर, 0.79 लाख हैक्टेयर, 0.41 लाख हैक्टेयर, 5.36 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2010–11 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 25.04, 1.12, 0.37, तथा 5.10 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में बढ़ोतरी के फलस्वरुप इसका उत्पादन वर्ष 2010–11 के 115.78 लाख टन की तुलना में बढ़कर 131.19 लाख टन हो गया। रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन 183.90 लाख टन रहा जोकि पिछले वर्ष 165.68 लाख टन था।

चण्डीगढः
दिनांक 11 जनवरी, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Department of Agriculture, Haryana for the year 2011-12

The 10th February, 2016

No. 523-Agri-II(1)-2016/1768.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 88 lakh tones food grains to the Central pool during 2011-12. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.93% of the total production in the country. The food grain production achieved during 2010-11 and 2011-12 was 165.68 Lakh tones and 183.90 lakh tones respectively. Thus there was an increase by 18.22 lakh tones in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of Agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 184.71% and 56 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2011

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various kharif crops have increased as compared to previous years. As against the area of 20.42 lakh ha. covered during kharif 2010, an area of 19.25 lakh ha. was actually covered under different kharif crops.

A total of 47.44 lakh tones of food grain production was achieved during kharif 2010-11 as compared to 50.24 lakh tones achieved during 2011-12.

Rabi 2011-12

The coverage of area under wheat gram, barley and oilseeds remained 25.31 lakh ha., 0.79 lakh ha., 0.41 lakh ha. and 5.36 lakh ha. during 2011-12 as compared to 25.04 lakh ha., 1.12 lakh ha., 0.37 lakh ha. and 5.10 lakh ha. respectively covered during Rabi 2010-11. The average yield of wheat has increased and thereby the production decreased to 131.19 lakh tones during the season as compared to production of 115.78 lakh tones during Rabi 2010-11. The food grains production during 2011-12 remained 183.90 lakh tones as compared to 165.68 lakh tones during 2010-11.

Chandigarh:
The 11th January, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government
Haryana, Agriculture Department.

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2012–13 की समीक्षा

दिनांक 10 फरवरी, 2016

क्रमांक 522– कृषि–II(1)–2016/1770.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2012–13 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 112 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का 6.35 प्रतिशत भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2011–12 व 2012–13 के दौरान क्रमशः 183.90 लाख टन व 161.94 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 21.96 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोग

कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 181.47 प्रतिशत व 56.00 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु

खरीफ, 2012

फसलों की बिजाई के समय मौसम अनुकूल रहा। वर्ष 2011 के 19.25 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में 17.06 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2011 के 50.24 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 48.05 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

रबी 2012–13

रबी 2012–13 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 24.97 लाख हैक्टेयर, 0.47 लाख हैक्टेयर, 0.48 लाख हैक्टेयर, 5.59 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2011–12 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 25.31, 0.79, 0.41, तथा 5.36 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में बढ़ोतरी के फलस्वरुप इसका उत्पादन वर्ष 2011–12 के 133.66 लाख टन की तुलना में घटकर 113.89 लाख टन हो गया । रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन 161.94 लाख टन रहा जोकि पिछले वर्ष 183.90 लाख टन था।

चण्डीगढः
दिनांक 11 जनवरी, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Department of Agriculture, Haryana for the year 2012-13

The 10th February, 2016

No. 522-Agri-II(1)-2016/1770.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 112 lakh tones food grains to the Central pool during 2012-13. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.35% (Tentative) of the total production in the country. The food grain production achieved during 2011-12 and 2012-13 was 183.90 Lakh tones and 161.94 lakh tones respectively. Thus there was an decrease by 21.96 lakh tones in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of Agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 181.47% and 56 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2012

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various kharif crops have increased as compared to previous years. As against the area of 19.25 lakh ha. covered during kharif 2011, an area of 17.06 lakh ha. was actually covered under different kharif crops.

A total of 48.05 lakh tones of food grain production was achieved during kharif 2012 as compared to 50.24 lakh tones achieved during 2011.

Rabi 2012-13

The coverage of area under wheat gram, barley and oilseeds remained 24.97 lakh ha., 0.47 lakh ha., 0.48 lakh ha. and 5.59 lakh ha. during 2012-13 as compared to 25.31 lakh ha., 0.79 lakh ha., 0.41 lakh ha. and 5.36 lakh ha. respectively covered during Rabi 2011-12. The average yield of wheat has decreased and thereby the production decreased to 117.17 lakh tones during the season as compared to production of 131.19 lakh tones during Rabi 2011-12. The food grains production during 2012-13 remained 161.94 lakh tones as compared to 183.90 lakh tones during 2011-12.

Chandigarh:
The 11th January, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government
Haryana, Agriculture Department.

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2013–14 की समीक्षा

दिनांक 10 फरवरी, 2016

क्रमांक 521– कृषि–II(1)–2016/1772.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2013–14 के अन्तर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 82 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान का अनुमानित 6.50 प्रतिशत भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2012–13 व 2013–14 के दौरान क्रमशः 161.94 लाख टन व 169.74 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 7.80 लाख टन अधिक खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोग

कृषि अवस्था को मापने हेतु भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 183.00 प्रतिशत व 57.00 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु खरीफ, 2013

फसलों की बिजाई के समय मौसम ठीक रहा। वर्ष 2012 के 17.06 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में 17.31 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2012 के 48.05 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 49.11 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

रबी 2013–14

रबी 2013–14 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 24.99 लाख हैक्टेयर, 0.83 लाख हैक्टेयर, 0.39 लाख हैक्टेयर, 5.37 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2012–13 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 24.97, 0.47, 0.48, 5.59 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में बढ़ोतरी के फलस्वरुप इसका उत्पादन वर्ष 2012–13 के 111.17 लाख टन की तुलना में बढ़कर 118.00 लाख टन हो गया। रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन 169.74 लाख टन रहा जोकि पिछले वर्ष 161.94 लाख टन था।

चण्डीगढः
दिनांक 11 जनवरी, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

Review of Annual Administrative Report of the Department of Agriculture, Haryana for the year 2013-14

The 10th February, 2016

No. 521-Agri-II(1)-2016/1772.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 82 lakh tones (Tentative) food grains to the Central pool during 2013-14. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.79 of the total production in the country. The food grain production achieved during 2012-13 and 2013-14 was 161.94 Lakh tones and 169.74 lakh tones respectively. Thus there was an increase by 7.80 lakh tones in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of Agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 183.0 and 57 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2013

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various kharif crops have increased as compared to previous years. As against the area of 17.06 lakh ha. covered during kharif 2012, an area of 17.31 lakh ha. was actually covered under different kharif crops.

A total of 48.05 lakh tones of food grain production was achieved during kharif 2012 as compared to 49.11 lakh tones achieved during 2013.

Rabi 2013-14

The coverage of area under wheat, gram, barley and oilseeds remained 24.99 lakh ha., 0.83 lakh ha., 0.39 lakh ha. and 5.64 lakh ha. during 2013-14 as compared to 24.97 lakh ha., 0.47 lakh ha., 0.48 lakh ha. and 5.59 lakh ha. respectively covered during Rabi 2012-13. The average yield of wheat has increased and thereby the production increased to 118.00 lakh tones during the season as compared to production of 111.17 lakh tones during Rabi 2012-13. The food grains production during 2013-14 remained 169.74 lakh tones as compared to 161.94 lakh tones during 2012-13

Chandigarh:
The 11th January, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government
Haryana, Agriculture Department.

54074—C.S.—H.G.P., Chd.